भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3127

दिनांक 09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बिहार में डेंगू और चिकनगुनिया का प्रकोप

3127. श्री सुनील कुमार :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मानसून के मौसम के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डेंगू और चिकनगुनिया का प्रकोप होता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा उक्त बीमारियों की रोकथाम के लिए क्या प्रभावी कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है; और

(ग) सरकार द्वारा बिहार के बेतिया और पश्चिमी चम्पारण में डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रतापराव जाधव)

(क) डेंगू और चिकनगुनिया के मामले सामान्यत मानसून के दौरान और मानसून के मौसम के बाद संभावित प्रजनन स्थलों में वृद्धि हो जाने और शहरी तथा ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एडीज मच्छरों की बहुतायत के कारण बढ़ जाते हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) के अनुसार, 2023 में देश में डेंगू के कुल 2,89,235 मामले और चिकनगुनिया के 2,00,064 मामले दर्ज किए गए।

(ख) और (ग) मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक और एनसीवीबीडीसी रोग की स्थिति, तैयारी, तकनीकी मार्गदर्शन और राज्यों को संवेदनशील बनाने और पूर्व चेतावनी देने के लिए बिहार के बेतिया और पश्चिमी चंपारण सहित देश भर में डेंगू के प्रकोपों की स्थिति की नियमित रूप से समीक्षा और मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

चूंकि मानसून और मानसून के बाद की अवधि के दौरान डेंगू का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए भारत सरकार (जीओआई) मानसून के मौसम से काफी पहले प्रारंभिक कार्यकलाप शुरू कर देती है और बिहार के बेतिया और पश्चिम चम्पारण सहित देश में डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत बिहार सहित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को डेंगू नियंत्रण कार्यकलापों जैसे महामारी से निपटने, मॉनीटरिंग, रोगी प्रबंधन, वेक्टर नियंत्रण (घरेलू प्रजनन जांचकर्ताओं, आशाकार्मियों की भागीदारी, कीटनाशक, फॉगिंग मशीनों का प्रावधान), प्रशिक्षण, अंतरक्षेत्रीय अभिसरण, जागरूकता कार्यकलापों आदि के लिए पर्याप्त बजटीय सहायता प्रदान की जाती है।

- डेंगू की निगरानी और नि:शुल्क निदान के लिए देश भर में प्रयोगशाला सुविधा वाले 848 प्रहरी निगरानी अस्पताल और उन्नत नैदानिक सुविधाओं के साथ 17 शीर्ष रेफरल प्रयोगशालाएं चिन्हित की गई हैं। इनमें से बिहार में 9 प्रहरी निगरानी अस्पताल चिन्हित किए गए हैं।

- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) – राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी), पुणे के माध्यम से चिन्हित की गई प्रयोगशालाओं को परीक्षण किट प्रदान की जाती हैं। इसकी लागत भारत सरकार द्वारा वहन की जाती है।

- डॉक्टरों को नैदानिक प्रबंधन और कीटविज्ञानियों को एकीकृत वेक्टर प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

- राज्यों को संवेदनशील बनाने और पूर्व चेतावनी देने के लिए मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक से एडवाइजरी जारी की गई है।

- समुदाय की जागरूकता के लिए, विभिन्न सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यकलाप शुरू किए गए हैं जैसे घरों और आसपास के क्षेत्रों को मच्छरों के प्रजनन से मुक्त रखने के लिए अंतर पारस्परिक संचार, सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर संदेश दिया जाना।

- केन्द्र सरकार ने डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण, रोगी प्रबंधन और राज्यों को कार्यान्वयन के लिए प्रभावी सामुदायिक भागीदारी के लिए तकनीकी दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए हैं।

- डेंगू नियंत्रण की दिशा में अंतर-मंत्रालयी समन्वय के लिए, 2024 में आवासन और शहरी कार्य ग्रामीण विकास, जल शक्ति (पेयजल और स्वच्छता विभाग) और शिक्षा मंत्रालयों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर की दो बैठकें आयोजित की गई हैं।

- प्रतिवर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस और जुलाई में डेंगू रोधी माह मनाया जाता है।

*****